कार्यक्रम रिपोर्ट-11

एक दिवसीय सेमीनार

23 फरवरी 2023

पंजाबी एवं डोगरी विभाग की ओर से पंजाब साहित्य अकादमी चंडीगढ़ के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस को समर्पित एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया| इस सेमीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मलकीयत सिंह (विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविध्यालय) शामिल हुए, उन्होंने 'मातृभाषा और शिक्षा : अंतरसबंध' विषय पर अपने विचार पेश किए। उन्होंने शिक्षा में मातृ भाषा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि मातृ भाषा के बिना शिक्षा का प्रयोजन अधूरा रहता है | इस सेमीनार में वशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. सरबजीत कौर सोहल (अध्यक्ष पंजाब साहित्य अकादमी चंडीगढ़) शामिल हुए और मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एन. आर. गोपाल(अधिष्ठाता,भाषा संकाय) शामिल रहे| इस समारोह की अध्यक्षता डॉ. ब्रहस्पति मिश्र जी (अध्यक्ष, पंजाबी एवं डोगरी विभाग) ने की | इस सेमीनार के संयोजक डॉ. हरजिंदर सिंह और सह-संयोजक डॉ. नरेश कुमार रहे | इस समारोह में भिन्न-भिन्न विभागों के लगभग 60 आचार्य और शोधार्थी/छात्र उपस्थित रहे|

अध्यक्ष,

पंजाबी एवं डोगरी विभाग।

अध्यक्ष, पंजाबी एवं डोगरी विभाग
Head, Department of Punjabi & Dogri
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
धौलाधार परिसर, धर्मशाला 176215
Dhauladhar Parisar, Dharamshala 176215

11 समरोह
23 फरबरी 2023
विषेश व्याखायन(अंतराष्ट्रीय मात्र-भाषा दिवस को समर्पत)

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ
ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ
ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ

मातृभाषा सांस के समान : डॉ. मलकीयत

धर्मशाला। सीयू धर्मशाला के पंजाबी और डोगरी विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मलकीयत सिंह शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मातृभाषा और शिक्षा का गहरा संबंध होता है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा मनुष्य की सांस के समान है, जिसे चाहकर भी अपने से अलग नहीं किया जा सकता। समारोह की अध्यक्षता पंजाबी व डोगरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृहस्पति मिश्र ने की। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता भाषा स्कूल डॉ. एनआर गोपाल उपस्थित रहे और विशेष अतिथि के रूप में डॉ. सरबजीत कौर सोहल अध्यक्ष पंजाब साहित्य अकादमी चंडीगढ़ पहुंचे। संवाद

मातृभाषा मनुष्य की सांस के समान

धर्मशाला, 24 फरवरी (ब्यूरो): केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के पंजाबी और डोगरी विभाग की ओर से पंजाब साहित्य अकादमी चंडीगढ़ के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को समर्पित समारोह का आयोजन किया। समारोह के दौरान मातृभाषा और शिक्षा : अंतर्संबंध विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफैसर डा. मलकीयत सिंह शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मातृभाषा और शिक्षा का गहरा संबंध होता है।

उन्होंने कहा कि मातृभाषा मनुष्य की सांस के समान है जिसे चाह कर भी अपने से अलग नहीं किया जा सकता। समारोह की अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष डा. बृहस्पति मिश्र ने की। मुख्य अतिथि के रूप में आधिष्ठाता भाषा स्कूल डा. एन.आर. गोपाल उपस्थित रहे और विशेष अतिथि के रूप में डा. सरबजीत कौर सोहल शामिल हुए।

मातृभाषा और शिक्षा का गहरा संबंध

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के पंजाबी और डोगरी विभाग की ओर से पंजाब साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को समर्पित समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान मातृभाषा और शिक्षा अंतर्संबंध विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. मलकीयत सिंह शामिल हुए। उन्होंने मातृभाषा पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि मातृभाषा और शिक्षा का गहरा संबंध होता है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा मनुष्य की सांस के समान है, जिसे चाहकर भी अपने से अलग नहीं किया जा सकता। समारोह की अध्यक्षता पंजाबी व डोगरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृहस्पति मिश्र ने की। मुख्यअतिथि के रूप में आधिष्ठाता भाषा स्कूल डॉ. एनआर गोपाल उपस्थित रहे और विशेष अतिथि के रूप में डॉ. सरबजीत कौर सोहल (अध्यक्ष, पंजाब साहित्य अकादमी, चंडीगढ़) ने शामिल हुए।

मातृभाषा और शिक्षा का गहरा संबंध

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालयए धर्मशाला के पंजाबी और डोगरी विभाग की ओर से पंजाब साहित्य अकादमी चंडीगंढ के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को समर्पित समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान मातृभाषा और शिक्षा विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मलकीयत सिंह शामिल हुए। उन्होंने मातृभाषा पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि मातृभाषा और शिक्षा का गहरा संबंध होता है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा मनुष्य की सांस के समान है जिसे चाहकर भी अपने से अलग नहीं किया जा सकता। समारोह की अध्यक्षता पंजाबी व डोगरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृहस्पति मिश्र ने की। मुख्य अतिथि के रूप में आधिष्ठाता भाषा स्कूल डॉ. एनण् आरण् गोपाल जी उपस्थित रहे और विशेष अतिथि के रूप में डॉ सरबजीत कौर सोहल :अध्यक्ष, पंजाब साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ ने शामिल होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कायक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी और छात्र शामिल हुए। समारोह का संचालन पंजाबी एवं डोगरी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. हरजिंदर सिंह ने किया। अंत में समारोह में भाग लेने वाले सभी विद्वानों– छात्रों और शोधार्थियों का धन्यवाद पंजाबी एवं डोगरी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नरेश कुमार